

फूलदान पुं. (तद्.+फा.) फूलों को सजा कर रखने का काँच, धातु, मिट्टी आदि का बना हुआ कलात्मक पात्र।

फूलदार वि. (तद्.+फा-प्रत्य-दार.) जिस पर बेल-बूटे बने हों जिस पर फूल पत्ते अंकित हों, फूलों वाला।

फूलना अ.क्रि. (देश.) 1. वृक्षादि का फूलों से युक्त होना, पुष्पित होना, कुसुमित होना 2. कली का खिलना, विकसित होना, पंखुड़ियाँ फैलाना 3. गर्व से इतराना जैसे- वह गर्व से फूल रहा है 4. अति प्रसन्न होना जैसे- हर्षोत्कर्ष से फूलना 5. किसी वस्तु के अंदर का भाग वायु, जल आदि से भर जाने के कारण अधिक फैल जाना अथवा बढ़ जाना 6. शरीर का कोई अंग सूज जाना 7. मोटा या स्थूल हो जाना 8. ढीला होना, शिथिल होना जैसे- हाथ-पाँव फूलना 9. रूठना, नाराज होना।

फूलमती स्त्री. (देश.) एक देवी।

फूली स्त्री. (देश.) 1. एक नेत्र-रोग जिसमें आँख की पुतली पर कुछ उभरा हुआ सफेद दाग पड़ जाता है 2. नाक तथा कान में धारण किए जाने वाला फूल नाम का आभूषण।

फूस पुं. (तद्.) 1. सूखी लंबी घास जो छप्पर बाँधने तथा ईंधन के रूप में जलाने के काम आती है 2. जीर्ण-शीर्ष वस्तु जैसे- शरीर फूस बन कर रह गया है।

फूहड़ वि. (अनु.) 1. जिसे अच्छी तरह काम करना न आता हो, बेशऊर 2. भद्दा, बेढंगा जैसे- फूहड़ मजाक, गाली आदि 3. अश्लील, गंदा।

फेंकना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी वस्तु को हाथ से बलपूर्वक इस प्रकार गति देना कि वह दूर जाकर गिरे 2. जमीन पर गिराना 3. पटकना 4. उछालना 5. व्यर्थ वस्तुओं को ले जाकर दूसरी जगह डालना जैसे- कूड़ा फेंकना 6. डालना (कौड़ी पासा आदि) 7. इधर-उधर बिखेर देना 8. चलाना (तीर, भाला आदि) 9. गँवाना 10. सरपट दौड़ाना (घोड़ा) घुड़दौड़ आदि में दौंव लगाना 11. तिरस्कार पूर्वक छोड़ना, परित्याग करना 12. अपव्यय करना, व्यर्थ धन गँवाना 13. घुमाना,

भाँजना (पटा) 14. असावधानी से या भूल से कोई चीज कहीं छोड़ देना या गिरा देना।

फेंट स्त्री. (तद्.) 1. कटि-मंडल, कमर का घेरा 2. धोती का वह भाग जो कमर पर लपेटा जाता है 3. कमर में बाँधने का वस्त्र, पटका, कमर 4. फेरा, लपेट, घुमाव स्त्री. (देश.) फेंटने अथवा मिलाने की क्रिया या भाव।

फेंटना स.क्रि. (तद्.) 1. द्रव पदार्थ को, अथवा उसमें कुछ डालकर अच्छी तरह से मिलाने के लिए घुमा-घुमा कर हिलाना, अच्छी तरह मिलाना 2. ताश के पत्तों को ऊपर-नीचे अथवा आगे-पीछे करके अच्छी तरह मिलाना, गड़-मड़ करना।

फेंटा पुं. (देश.) 1. फेंट 2. कमर का घेरा 3. कमर पर लपेटा जाने वाला वस्त्र, कमर-बंद 4. धोती का वह भाग जो कमर पर लपेटा गया हो 5. सिर पर लपेटा हुआ कपड़ा, छोटी पगड़ी 6. सूत की बड़ी अंटी।

फेकरना अ.क्रि. (देश.) सिर का अनावृत होना, नंगा होना या खुलना अनु. 1. गीदड़ या सियार का चिल्लाना 2. चिल्ला कर या जोर-जोर से रोना, फूट-फूटकर रोना।

फेडरेशन स्त्री. (अं.) 1. संघ-राज्य, राज्य-संघ, संघबद्ध राज्य 2. संघबद्ध होना, संघ से जुड़ना 3. विभिन्न राज्यों द्वारा विभिन्न राज्यों द्वारा केंद्र सरकार के साथ मिलकर एक राजनैतिक इकाई का गठन, जिनमें से प्रत्येक राज्य अपने आंतरिक मामलों का नियंत्रण अपने पास रखता है 4. विभिन्न राज्यों, सोसाइटियों तथा यूनियनों द्वारा गठित एक संघबद्ध/संघित संस्था जिनमें से प्रत्येक अपने आंतरिक मामलों का नियंत्रण स्वयं करे।

फेन पुं. (तत्.) दूध, पानी अथवा किसी अन्य तरल पदार्थ के छोटे-छोटे बुलबुलों का समूह झाग अ.क्रि. झाग उठाना या उठाना, कूड़ा करकट, निम्न वर्ग।

फेनक पुं. (तत्.) 1. फेन, झाग 2. एक मधुर व्यंजन, फेनी वि. फेन उत्पन्न करने वाला।